Pg 1 Seema Arya

B.A II (H) 29-7-2020

Home-science

Q. गृह-व्यवस्था के महत्व एवं उसके उद्देश्यों का वर्णन करें ?

Ans पारिवारिक जीवन को सुखी, संतुष्ट एवं खुशहाल बनाने के लिए गृह-व्यवस्था अनिवार्य है। सुनियोजित व्यवस्था के आधार पर ही पारिवारिक लक्ष्यों की प्राप्ति होती है। वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक के कारण सुख-सुविधा के साधन भी बढ़ते जा रहे हैं। इस कारण गृह-व्यवस्था का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। अधिकांश भारतीय परिवारों में अब भी घर का आंतरिक व्यवस्था अथवा प्रबंध का लगभग संपूर्ण उत्तरदायित्व सामान्यतः गृहिणी पर ही रहता है। गृह प्रबंध का समुचित ज्ञान रखनेवाली गृहिणी, सीमित आय एवं पारिवारिक साधनों की अल्पता के बावजूद अपने घर-परिवार से सुव्यवस्था, शांति, सुख संतोष, स्नेह, सौहार्द, स्वास्थ्य एवं सुरुचि बनाये रखती है, अतः गृह-प्रबंध का ज्ञान होना प्रत्येक गृहिणी के लिए आवश्यक है। इसका ज्ञान उसे अपने गृह का कुशल मनोवैज्ञानिक प्रबंध करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है

गृह व्यवस्था निम्न रूपों से हमारे लिए आवश्यक है →

(1) परिवार के सदस्यों के सर्वांगीण विकास के लिए उचित वातावरण की व्यवस्था करना

(2) इससे परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं की संतुष्टि होती है।

(3) धन का व्यवस्थापन - इससे बचत होती है एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत कर अपने रहन-सहन को स्तर ऊँचा कर सकता है।

(4) उचित जीवन - स्तर निश्चय करने हेतु उचित गृह - व्यवस्था से ही व्यक्ति अपने जीवन स्तर को ऊँचा उठा सकता है।

(5) उचित लक्ष्य-निर्धारण के लिए वह सामर्थ्य, साधनों एवं सीमाओं के अनुरूप ही अपने लक्ष्य निर्धारित करेगा।

उचित व्यवस्थापन तथा साधनों का सही प्रयोग ⇒ इसके अन्तर्गत व्यक्ति अपने आवश्यक कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों तथा अवकाश के लिए समय निकाल कर अपने उद्देश्यों को पूर्ति हेतु कार्य कर सकता है।

गृह व्यवस्था के उद्देश्य ⇒ **परिवार की गृह-व्यवस्था** पर ही परिवार के सदस्यों का - स्वास्थ्य एवं उनकी कार्य-कुशलता निर्भर करती है। गृह-व्यवस्था द्वारा ही उनमें परस्पर प्रेम, स्नेह, कला तथा धर्म की भावना आती है। आज के संघर्षमय युग में बढ़ती महंगाई के कारण सीमित साधनों में असीमित आवश्यकताओं का समायोजन करने के लिए गृह-व्यवस्था की आवश्यकता एवं महत्व और भी अधिक बढ़ गया है।

गृह - की व्यवस्थित करने के लिए किये जाने वाले चिन्तन एवं अन्य विभिन्न कार्यों की पृष्ठभूमि में मुख्यतः <u>तीन</u> उद्देश्य होते हैं।

Scanned with CamScanner

(1) सौंदर्य ⇒ सुन्दरता में एक आकर्षण होता है। किसी सुन्दर वस्तु, दृश्य, मकान आदि को देखकर प्रत्येक मनुष्य आकर्षित होता है। जब कोई भी गृह-निर्माता अपने गृह की व्यवस्था करना प्रारम्भ करता है तब वह उस उद्देश्य से प्रेरित होता है कि उसके द्वारा की गयी व्यवस्था आकर्षक हो जिसे देखकर सब प्रशंसा करें। सौन्दर्य का साधारण अर्थ किसी वस्तु के उस विन्यास से है जिसे देखकर मनुष्य प्रसन्न होता है।

2 अभिव्यक्ति ⇒ प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अभिवृत्तियाँ, अभिरुचियाँ होती है। गृहिणी उपलब्ध पारिवारिक संसाधनों की सहायता से अपने गृह की व्यवस्था इस प्रकार करना चाहती है जिससे उनके व्यक्तित्व एवं समन्वित सौन्दर्यबोध, जीवन-दर्शन, अभिवृत्ति की अधिक से अधिक सार्थक तथा भरपूर अभिव्यक्ति हो सके। प्रायः सजावट में चित्र या अन्य वस्तुओं से दीवारों को सजाया जाता है। चित्र प्रकृतिक दृश्य किसी या किसी महान पुरुषों के हो सकते है। चित्र के चुनाव से उस परिवार की अभिरुचियों का पता चलता है।

3 क्रियात्मकता ⇒ घर की व्यवस्था करते समय घर की क्रियात्मकता या उसकी उपयोगिता में वृद्धि करना भी एक महत्वपूर्ण उद्देश्य होता है। गृह व्यवस्था परिवार के विभिन्न सदस्यों की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। जिस प्रकार

Scanned with CamScanner

की आवश्यकताओं को देखते हुए मकान में कमरों की योजना बनायी जाती है, उसी प्रकार गृह-व्यवस्था करते समय सीमित स्थान में व्यवस्था परिवार के सदस्यों की आवश्यकतानुसार की जाती है। स्थान कम होने पर क्रियात्मकता को देखते हुए फर्नीचर का भी चुनाव करना पड़ता है। ऐसे में बहुद्देशीय फर्नीचर ज्यादा लाभप्रद होते हैं। इस प्रकार, घर की क्रियात्मकता या उपयोगिता में अधिक-से-अधिक वृद्धि करना गृह-प्रबन्ध का एक प्रमुख उद्देश्य होता है।

Scanned with CamScanner